आज दिनांक 27 फरवरी, 2019 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के प्रांगण में सामाजिक समरसता मंच बल्लबगढ़ के तत्वावधान में चन्द्रशेखर आज़ाद जी के 88वें बलिदान दिवस एवं पुलवामा के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पण की। इस शुभावसर का शुभारम्भ दीपशिखा प्रज्ज्वलन व सरस्वती वन्दना से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त जी ने की। प्राचार्य जी के मार्गदर्शन व सराहनीय प्रयास द्वारा ही ऐसे कार्यक्रम समय–समय पर प्रांगण में आयोजित होते रहते हैं।

विधिवत् कार्यक्रम का आरम्भ करते हुए अतिथिजनों का स्वागत पौधा भेंट कर किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता जी (प्राचार्य अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़), मुख्य वक्ता, श्री कृष्ण जी (सम्पर्क प्रमुख उत्तर क्षेत्र), गरिमामयी उपस्थिति – श्री महेन्द्र सिंह (प्रान्त संयोजक) एवं श्री मंजुल जी (सहप्रांत संयोजक) उपस्थित रहें। प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता जी ने अपने उद्बोधन का आरम्भ भारत माता की जय के साथ किया साथ ही वीर की परिभाषा देते हुए कहा कि वीरों के अंदर असंभव को भी संभव बनाने का जुनून होता है इसलिए वे वीर कहलाते हैं। अपने वक्तव्य के अन्त में सामाजिक समरस्ता मंच का धन्यवाद किया कि इस पुनीत कार्य के लिए हमारे प्रांगण का चुनाव किया।

मुख्य वक्ता श्री कृष्ण जी (सम्पर्क प्रमुख उत्तर क्षेत्र) ने अपने वक्तव्य में चन्द्रशेखर जी के बलिदान, देश के प्रति उनकी लगन, उत्साह और आजादी में दिया गया

योगदान को स्मरण कराते हुए विद्यार्थियों को अपना पथ प्रदर्शक बनने का आग्रह किया। श्री महेन्द्र सिंह (प्रान्त संयोजक) श्री मंजुल जी (सह प्रांत संयोजक) ने भी अपने वक्तव्य में शहीदों के यशोगान का वर्णन किया। इस कार्यक्रम में बल्लबगढ़ और फरीदाबाद की अनेक शैक्षणिक संस्थाओं ने अपनी उपस्थिति एवं प्रस्तुति दर्ज की। इस अवसर पर देशभक्ति को विविध आयाम – कविता, नृत्य, भाषण, लघु नाटिका, गीत इत्यादि माध्य से प्रस्तुत किया।

सामाजिक समरस्ता मंच ने अपने नाम के अनुरूप ही इस पावन कार्यक्रम में समाज के चारों वर्णों ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र को एकत्रित कर विद्यार्थियों को एकजुटता का संदेश दिया। मंच का संचालन हिन्दी विभागाध्यक्षा श्रीमती किरण आनन्द ने किया। श्रीमती कमल टंडन, डॉ. रामचन्द्र, डॉ. पूजा सैनी इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी प्रवक्ताओं का सहयोग रहा।